

## ये वो चुरु का दरबार है

तर्ज - ये तो सच है कि भगवान है

ये वो चुरु का दरबार है,  
जहाँ मिलता सदा प्यार है,  
श्री बाबोसा है जिनका नाम,  
दीन दुखियों का दातार है,  
ये तो चुरु का दरबार है.....

आओ एकबार हम, चुरु धाम चले,  
इस दर से बिन मांगे, सब कुछ मिले,  
इनकी कृपा से ही, ये गुजारा चले,  
इनके साये में, सबको खुशिया मिले,  
करते भक्तो पे उपकार है,  
अर्जी करता ये स्वीकार है,  
श्री बाबोसा है जिनका नाम,  
दीन दुखियों का दातार है,  
ये वो चुरु का दरबार है.....

धन्य धरा है ये, जिसका चुरु है नाम,  
श्री बाबोसा का, जहाँ पावन है धाम,  
स्वर्ग सी मस्ती है, आकर देखो जरा,  
दिव्य स्वरूप में, बैठा बाबा मेरा,  
इनकी महिमा का न पार है,  
जिनको पूजे ये संसार है,  
श्री बाबोसा है जिनका नाम,  
दीन दुखियों का दातार है,  
ये वो चुरु का दरबार है.....

यही है कामना, दिल मे है भावना,  
चुरु धाम बुला, करते है प्रार्थना,  
एक आस मेरी, मन मे विश्वास है,  
आऊँ दर पे तेरे, जब तक सांस है,  
दिलबर दिल के ये उदगार है,  
विभु सच्चा ये दरबार है,  
श्री बाबोसा है जिनका नाम,  
दीन दुखियों का दातार है,  
ये वो चुरु का दरबार है,  
जहाँ मिलता सदा प्यार है,  
श्री बाबोसा है जिनका नाम,  
दीन दुखियों का दातार है.....

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/25652/title/ye-vo-churu-ka-darbaar-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |